करियर शीट · CAREER SHEET

Hand Crochet Lace Maker (Furnishing)

क्रोशिया लेस मेकर (फर्निशिंग) हाथ से क्रोशिया की सुंदर लेस बुनकर घर की साज-सज्जा के उत्पाद — डोइली, टेबल लिनन, कुशन कवर, रनर और सजावटी लेस — तैयार करता है। वह दिए गए डिज़ाइन व माप के अनुसार अलग-अलग धागों और टाँकों (चेन, डबल...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6307

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

क्रोशिया लेस मेकर (फर्निशिंग) हाथ से क्रोशिया की सुंदर लेस बुनकर घर की साज-सज्जा के उत्पाद — डोइली, टेबल लिनन, कुशन कवर, रनर और सजावटी लेस — तैयार करता है। वह दिए गए डिज़ाइन व माप के अनुसार अलग-अलग धागों और टाँकों (चेन, डबल क्रोशे, पिकोट आदि) का उपयोग करके कपड़े, एक्सेसरीज़ और फर्निशिंग वस्तुएँ बनाता है। यह आंध्र प्रदेश के नरसापुर की जीआई-टैग वाली क्रोशिया लेस परंपरा से जुड़ा एक कलात्मक, कम-पूँजी वाला काम है, जिसे अक्सर घर से या स्वयं सहायता समूह के साथ किया जाता है और जो महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए भी सुलभ है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कक्षा 8 पास + 15 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 3)
कोर्स अवधि	लगभग 2–6 माह
आरंभिक वेतन	₹6,000–12,000/माह
कार्य-शैली	घर/कारीगर इकाई में हस्तनिर्मित काम (अक्सर स्वरोज़गार)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- कलात्मक और हस्तनिर्मित चीज़ें बनाना पसंद
- धागे, रंग और डिज़ाइन पैटर्न में रुचि
- घर की सजावट व फर्निशिंग उत्पादों में रचनात्मकता

क्षमताएँ

- हाथ और आँख का अच्छा समन्वय
- धैर्य और बारीकी पर ध्यान
- निर्देश व पैटर्न का पालन करने की क्षमता

ज़रूरी कौशल

- विभिन्न धागों से क्रोशिया की बुनाई (चेन, डबल क्रोशे, पिकोट आदि टाँके)
- डोइली, टेबल लिनन, कुशन कवर व सजावटी लेस बनाना
- पैटर्न पढ़ना और डिज़ाइन के अनुसार माप रखना
- कच्चे माल (सूती/ऊनी धागा, हुक) की पहचान व गुणवत्ता जाँच
- रंग संयोजन व फिनिशिंग (धुलाई, स्टार्च, पैकिंग)
- ऑर्डर के अनुसार उत्पादन और समय प्रबंधन

- सोशल मीडिया/ई-कॉमर्स पर उत्पाद बेचना (स्वरोज़गार हेतु)

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 पूरी करें और न्यूनतम 15 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. हैंड क्रोशिया लेस मेकर (फर्निशिंग) के एनएसक्यूएफ लेवल 3 कोर्स में हस्तशिल्प एवं कालीन सेक्टर स्किल काउंसिल (HCSSC)/एनएसडीसी केंद्र पर नामांकन करें।
3. बुनियादी टाँके, पैटर्न और फिनिशिंग का अभ्यास करके नमूने तैयार करें।
4. किसी स्वयं सहायता समूह (SHG), शिल्प एजेंसी या निर्यातक के साथ जुड़कर व्यावहारिक अनुभव लें।
5. अनुभव के साथ अपनी इकाई/ब्रांड शुरू करें या ई-कॉमर्स पर बेचें; पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं से टूलकिट व ऋण लें।
6. राजस्थान में RSLDC/जन शिक्षण संस्थान से भी निःशुल्क प्रशिक्षण लिया जा सकता है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- HCSSC/एनएसडीसी द्वारा ट्रेड मूल्यांकन व प्रमाणन

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- हैंडलूम एवं हस्तशिल्प विभाग, राजस्थान — जयपुर, राजस्थान (https://rising.rajasthan.gov.in/handlooms-and-handicrafts)
- हस्तशिल्प एवं कालीन सेक्टर स्किल काउंसिल (HCSSC) — अखिल भारतीय (https://hcssc.in/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- इंटरनेशनल लेस ट्रेड सेंटर (ILTC), नरसापुर — नरसापुर, आंध्र प्रदेश (https://iltcnarsapur.wordpress.com/)
- ARCH कॉलेज ऑफ डिज़ाइन एंड बिज़नेस — जयपुर, राजस्थान (https://www.archedu.org/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- एनएसडीसी – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — ऑनलाइन (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, JSS, RSLDC, पीएमकेवीवाई) के तहत यह कोर्स निःशुल्क या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। पीएम विश्वकर्मा योजना में प्रशिक्षण के दौरान ₹500/दिन स्टाइपेंड, ₹15,000 टूलकिट सहायता और रियायती ऋण मिलता है। निजी शिल्प कक्षाओं की फीस लगभग ₹2,000–15,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- पीएम विश्वकर्मा योजना (कारीगर हेतु टूलकिट व ऋण) (https://pmvishwakarma.gov.in/)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

क्रोशिया शिल्प एजेंसियाँ, फर्निशिंग व होम-डेकोर निर्यातक, हस्तशिल्प दुकानें, स्वयं सहायता समूह व एनजीओ, और घर से स्वरोज़गार।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 5–6 दिन, दिन में 8–9 घंटे काम होता है; अधिकतर काम घर पर बैठकर या छोटी इकाई में होता है, इसलिए यह महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए भी लचीला और सुलभ है। त्योहारों व पीक सीज़न में ऑर्डर बढ़ जाते हैं।

कौन नौकरी देता है

- फर्निशिंग व होम-डेकोर निर्यातक (EPCH सदस्य कंपनियाँ)
- स्वयं सहायता समूह (SHG) और महिला उत्पादक संगठन
- ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म (Amazon Karigar, Okhai, Etsy) पर स्वरोज़गार
- नरसापुर व अन्य क्रोशिया लेस क्लस्टर की शिल्प एजेंसियाँ
- हस्तशिल्प व घरेलू सजावट के खुदरा ब्रांड व दुकानें
- एनजीओ व सरकारी शिल्प विकास संस्थाएँ

माँग (2026)

नरसापुर क्रोशिया लेस को 2024 में जीआई टैग मिलने से इस पारंपरिक शिल्प की पहचान और मांग बढ़ी है। हस्तनिर्मित, टिकाऊ और 'हैंडमेड इन इंडिया' उत्पादों की देश-विदेश में स्थिर मांग है, और ई-कॉमर्स से कारीगर सीधे ग्राहकों तक पहुँच रहे हैं। यह मुख्यतः पीस-रेट/स्वरोज़गार वाला क्षेत्र है, फिर भी कुशल व डिज़ाइन-दक्ष कारीगरों के लिए निर्यात व ब्रांडिंग के अच्छे अवसर हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. हेल्पर
2. क्रोशिया लेस मेकर – फर्निशिंग
3. क्रोशिया लेस मेकर – एक्सेसरीज़
4. प्रोसेस सुपरवाइज़र / मास्टर कारीगर
5. स्वतंत्र उद्यमी / निर्यातक (अपना ब्रांड)

कमाई

शुरुआत	₹6,000–12,000/माह
मध्य स्तर	₹12,000–20,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹25,000–45,000+/माह

राष्ट्रीय करियर सेवा (NCS) के अनुसार फ्रेशर क्रोशिया लेस मेकर लगभग ₹8,000–20,200/माह कमाते हैं; कई कारीगर पीस-रेट पर काम करते हैं जो अक्सर न्यूनतम मज़दूरी से कम रहता है (हस्तशिल्प क्षेत्र में औसत लगभग ₹270/दिन)। जो कारीगर अपना ब्रांड बनाकर ई-कॉमर्स/निर्यात करते हैं (जैसे श्रीनगर के नज़र नासिर ₹20,000–30,000/माह) वे कहीं अधिक कमा सकते हैं। आय सांकेतिक व परिवर्तनशील है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- घर से लचीले ढंग से काम कर सकते हैं; महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए सुलभ
- कम पूँजी में शुरुआत; ई-कॉमर्स से सीधे बाज़ार तक पहुँच
- जीआई-टैग वाली पारंपरिक कला में गर्व और निर्यात के अवसर

चुनौतियाँ

- पीस-रेट पर आय कम व अनियमित हो सकती है
- लंबे समय तक बैठकर बारीक काम से आँख व कंधे पर तनाव
- मशीन-निर्मित सस्ते लेस से बाज़ार में प्रतिस्पर्धा

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Padma Parikh
क्रोशिया उद्यमी, 'पीबी हैंडमेड्स' की संस्थापक, अहमदाबाद

अहमदाबाद की पद्मा पारिख ने 12 वर्ष की उम्र में शौक के तौर पर क्रोशिया सीखा था। 2020 के लॉकडाउन में उनकी पोतियों ने उनके हस्तनिर्मित उत्पादों के लिए इंस्टाग्राम पर 'पीबी हैंडमेड्स' (पद्मा बा हैंडमेड्स) शुरू किया। 89 वर्ष की उम्र और एक आँख की रोशनी कमज़ोर होने के बावजूद वे रोज़ तीन घंटे क्रोशिया के पक्षी, कंबल, डोइली, कोस्टर और पर्स बनाती हैं, जिनकी कीमत ₹400 से ₹5,000 तक है। उनके उत्पाद अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कनाडा समेत 10 देशों तक पहुँच चुके हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि क्रोशिया का हुनर उम्र की सीमा तोड़कर आत्मनिर्भरता और पहचान दिला सकता है।

The Better India · https://thebetterindia.com/335040/gujarat-padma-pareekh-runs-pb-handmades-crochet-handicraft-small-business-senior-citizen/

Nazar Nasir
कश्मीर के इकलौते पुरुष क्रोशिया कलाकार, 'नॉटी क्राफ्ट्स' के संस्थापक, श्रीनगर

श्रीनगर के लाल बाज़ार के नज़र नासिर ने 2016 में अपनी बहन को देखकर क्रोशिया सीखा। लोगों ने कहा कि यह 'महिलाओं का काम' है, फिर भी उन्होंने डटे रहकर 'नॉटी क्राफ्ट्स' ब्रांड खड़ा किया। वे खिलौने, स्वेटर, बैग, प्लांट हैंगर और घरेलू सजावट के लेस उत्पाद बनाते हैं (₹500–₹7,000), और हर माह करीब 30 ऑर्डर से ₹20,000–30,000 कमाते हैं — कनाडा तक निर्यात के साथ। अंग्रेज़ी में एम.ए. करते हुए वे भारत भर के करीब 20 विद्यार्थियों को ऑनलाइन क्रोशिया भी सिखाते हैं। उनकी कहानी लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ती है।

Rising Kashmir · https://risingkashmir.com/nazar-nasir-kashmirs-only-male-crochet-artist

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – क्रोशिया लेस मेकर (फर्निशिंग) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%8b%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%b8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%ab%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b6/

2. ईटीवी भारत – नरसापुर क्रोशिया लेस को जीआई टैग — https://www.etvbharat.com/en/!state/andhra-pradesh-narasapur-crochet-lace-craft-bags-gi-tag-enn24072902835

3. हस्तशिल्प एवं कालीन सेक्टर स्किल काउंसिल (HCSSC) — https://hcssc.in/

4. द प्रिंट – हस्तशिल्प कारीगरों की मज़दूरी रिपोर्ट — https://theprint.in/india/indias-handicraft-sector-employs-1-13-crore-but-workers-earn-just-rs-270-a-day-finds-report/2934957/

5. पीएम विश्वकर्मा योजना (आधिकारिक) — https://pmvishwakarma.gov.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in